केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम

अगस्त 2011

साहित्याचार्य (द्वितीय खण्ड) परीक्षा

(സാഹിത്യാചാര്യ (ദ്വിതീയഖണ്ഡം) പരീക്ഷ)

प्रश्नपत्र 1 (പത്രസംഖ്യ 1)

समयः 3 घंटे) (पूर्णांक : 100

सूचना : 1. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

I हर खण्ड में से दो-दो चुनकर किन्हीं चार की व्याख्या कीजिए:- 40

खण्ड - 'क'

अ) जिन ढूँढा तिन पाइयाँ, गहरे पानी पैठ।
मैं बौरी डूबन डरी, रही किनारे बैठ।।
बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसा बुरा न कोय।।

आ) जसोदा हरि पालने झुलावै
हलरावै दुलराइ मल्हावै, जोई सोई कछु गावे।
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आनि सुवावै।
तू काहे न बेगिही आवै, तो को कान्ह बुलावै।
कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत है, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि ह्वै मौन रहि-रहि, करि-करि सैन बतावै।
इहि अन्तर अकुलाई रहे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुर्लभ, सो नंद भामिनि पावै।

इ) धूर भरे अति सोभित स्यामजू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।
खेलत खात फिरैं अंगना, पग पैंजनी बाजती, पोरी कछोटी।
वा छबि को 'रसखान' बिलोकत बारत काम कला निधिकोटी
काग के भाग कहा कहिये हरि हाथ सो लै गयों माखन रोटी।।

ई) सघन कुंज छाया सुखद, सीतल सुरभि समीर।
मन ह्वै जात अजौं वहै, वा जमुना के तीर।।

खण्ड 'ख'

उ) दीपक के जलने में आली,
फिर भी है जीवन की लाली,
किन्तु पतंग-भाग्य-लिपि काली, किसका वश चलता है?
दोनों ओर प्रेम पलता है।

अथवा

कालगुरु की सुरभि उड़ा कर मानो मंगल तारे,
हँसे हसंती में खिल खिल कर अनल-कुसुम अंगारे।

ऊ) दूबों के आँसू धोती रवि-किरणों पर
मोती बिखराती विन्ध्या के झरनों पर
ऊँचे उठने के व्रतधारी इस वन पर
ब्रह्माण्ड कँपाती उस उद्दंड पवन पर
तेरे मीठे गीतों का पूरा लेखा
मैंने प्रकाश में लिखा सजीला देखा।

ऋ) अँखें अलियों-सी
किस मधु की गलियों में फँसीं
बन्द कर पाँखें
पी रही हैं मधुमौन
अथवा सोयी कमल कोरकों में?

ए) कैसी अखण्ड यह चिर समाधि?
यतिवर! कैसा यह अमिट ध्यान?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान?
उलझन का कैसा विषम जाल?

II समाज सुधारक कबीर का परिचय दीजिए। 15

अथवा

कबीर की भक्ति-भावना की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

III तुलसी की समन्वयवादी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सूरदास की वात्सल्य भावना का परिचय दीजिए।

IV रीतिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

बिहारी के काव्य की विशेषताओं का सोदाहरण परिचय दीजिए।

V द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

अथवा

'साकेत' महाकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

VI 'यशोधरा' कविता की विशेषताओं पर विचार कीजिए।। 15

अथवा

'नौका विहार' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

VII किसी एक कवि के व्यक्तित्व और रचना-संसार का संक्षिप्त परिचय दीजिए:- 15

क) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

ख) अज्ञेय

ग) तुलसीदास

घ) सुदामा पाण्डेय धूमिल